IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
Impact Factor: 7.53
Volume 4, Issue 7, May 2024

वर्तमान समाज की समस्याओं के समाधान हेतु मूल्यों की आवश्यकता–याज्ञवल्क्यस्मृति के विशेष संदर्भ में

डॉ. सुनीता कुमारी व दीपांशी
सह–आचार्या, संस्कृत विभाग, बी. एस. एम. पी. जी. कॉलेज, रूड़की
शोध छात्रा, संस्कृत विभाग, बी. एस. एम. पी. जी. कॉलेज, रूड़की

सारांश–:

वर्तमान समाज में मानव मूल्यों की ओर से विमुख हो रहे हैं, जिससे समाज में द्वेष, अराजकता, नरसंहार जैसी घटनाओं ने जन्म ले लिया हैं। यदि हम इसके मुख्य कारणो पर दृष्टि डाले तो इसके मूल में हमे मूल्य शिक्षाओं का अभाव दिखता है तथा जिसका मुख्य कारण वर्तमान की शिक्षा व्यवस्था है। वर्तमान समाज में मनुष्य अपनी संस्कृति को विस्मृत कर जीवन के मुख्य उद्देश्यों को भूल गया है। हम अपने शास्त्रों के अध्ययन को महत्व नही देते हैं। इतने बहुमूल्य शास्त्र जो कि एक राष्ट्र ही नहीं बल्कि संपूर्ण विश्व के कल्याण हेतु विचारों का सागर है। सर्वज्ञान के भंडार वेद, दर्शन, उपनिषद्, स्मृतियों के अध्ययन को मानव ने अपने जीवन में स्थान नहीं दिया हैं। अधोविवेचित शोध पत्र के माध्यम से याज्ञवल्क्य स्मृति में वर्णित उन मूल्यों के विषय में बताया गया है। जिनके अध्ययन रूपी प्रकाश के माध्यम से मानव अपने जीवन को मूल्यवान बना सकेगा तथा तत्कालीन समाज में फैली समस्याओं का समाधान कि जा सकेगा। प्राचीन भारतीय समाज व्यवस्थित तथा सांस्कृतिक था उस समय समाज में आज की भांति सामाजिक समस्यायें नही थी। यदि मानव समसामयिक समय में भी जीवन को शान्ति पूर्ण तरीके से व्यतीत करना चाहता है तो आवश्यक है कि वह प्रचीन शास्त्रों का अध्ययन कर उनमें उल्लेखित मूल्यों को जीवन में धारण कर अपने जीवन को सुखी बना सकता है। प्रस्तुत शोध–पत्र में याज्ञवल्क्य स्मृति के आधार पर उन मूल्यों का वर्णन किया गया हैं जिनके अध्यापन से मानव–जीवन सरल, सांस्कृतिक व आध्यात्मिक हो सके तथा समाज में फैली कटुता को दूर किया जा सके।

Copyright to IJARSCT
www.ijarsct.co.in
DOI: 10.48175/IJARSCT-18699